SWETA DUBEY
ASST.PROFESSOR,
GSCW B.Ed., PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT ECONOMICS,SEM-2, PAPER-VII A UNIT-I
TOPIC- FUTURISTIC POINT OF VIEW ON OBJECTIVES OF ECONOMICS SUBJECT

PART-I

Scanned with CamScanner

के अस्तित्व को ही खतरा हो गया है । ऐसी स्थिति में यदि विकसित राष्ट्र विकासशील राष्ट्रों के संसाधनों का उपयोग कर अपने देशों को प्रदूषण से मुक्त रखना चाहें तो भी वे प्रभावित तो होंगे ही । क्योंकि विश्व एक गाँव के रूप में सिमट गया है । प्राकृतिक आपदा का प्रभाव एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचता ही है । मेनका गाँधी ने पर्यावरण मन्त्री होने के नाते कहा था कि अगला युद्ध पानी के लिए लडा जायेगा ।

Scanned with CamScanner

जनसंख्या वृद्धि में चाहे चीन एवं भारत जैसे देश ही अग्रणी हो किन्तु अन्य विकासशील एवं विकसित देशों में जनसंख्या के निरन्तर प्रवास से वहां के संसाधनों व रोजगार के अवसरों पर प्रभाव तो पड ही रहा है । मनुष्यों को जीवनयापन की अवसरहीनता ने पथभ्रष्ट किया है । समाज धीरे-धीरे अपने जीने के लिए अवैध तरीकों से भी अवसर उपलब्ध करवाने हेतु मूल्यों से गिरता चला जा रहा है । परिणामस्वरूप रिश्वतखोरी, चोर बाजारी, भाई-भतीजाबाद, धोखेबाजी जैसे प्रवृतियों का बोलबाला हो गया है तथा मूलों पर चलने वाला व्यक्ति अपने हाथ में से अवसरों को फिसलता हुआ पा रहा है । वह किंकर्तव्यविमूढ़ है, क्या करे क्या न करे? बात-बात में उन्हें समयातीत होने का खिताब दे कर मजाक भी बनाया जाता है ।

Scanned with CamScanner

उक्त समस्त स्थितियों को देखते हुए NCTE (Curriculum Framework, 2004 पृष्ठ 4-5) ने भविष्योंमुखी उददेश्यों पर दृष्टिपात किया है :

- सुसंस्कृत मानव एवं सामाजिक दृष्टि से प्रभावी बनाने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक, नैतिक, राष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक मूल्यों से शक्ति को युक्त करें जिससे जीवन को सही दिशा एवं सार्थकता मिले ।
- पृथ्वी, जल, वायु अग्नि एवं आकाश (पंच तत्वो) के साथ सम्पूर्ण सामंजस्य बनाने हेतु शारीरिक एवं मानसिक रूप से व्यवस्थित रहने हेतु आवश्यक ज्ञान, अभिवृत्ति एवं आदतों का विकास करना ।

Scanned with CamScanner

- अधिगम समाज के निर्माण हेतु स्व-अधिगम के लिए योग्यताओं एवं विशेषताओं का विकास करना।
- जनसंख्या आधिक्य एवं वृहत् परिवार के विभिन्न परिणामों की समझ एवं जनसंख्या वृद्धि के नियन्त्रण को प्रोत्साहन देना ।
- बुजुर्गो के प्रति उपयुक्त सम्मान एवं देखभाल की भावना का विकास ।

उक्त समस्त बिन्दु 21वीं सदी में व्यक्ति एवं भारतीय समाज के सतत विकास के लिए आवश्यक हैं जिससे शान्ति पूर्ण समाज विकसित किया जा सके । शान्ति शिक्षा के लिए भारतीय चिन्तन को अर्थशास्त्र शिक्षण का आधार बनाना होगा ।

शान्ति शिक्षा के लिए भारतीय चिन्तन (Indian Philosophy for Peace Education)

Scanned with CamScanner